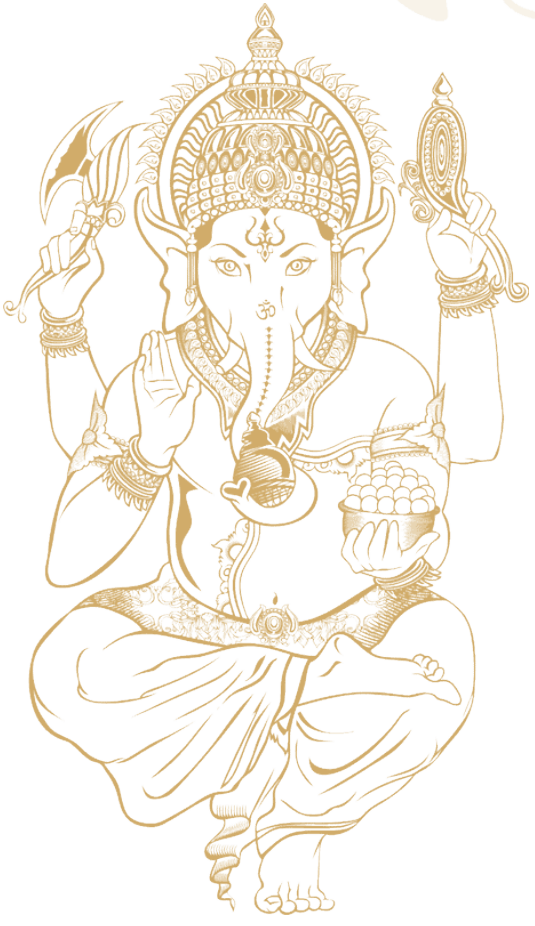

Mr.?????? ??????

04 Feb 1991

09:30 AM

Mirzapur

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120547502

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/02/1991	जन्म तिथि	**3-04/02/2025**
सोमवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 09:30:00	जन्म समय	02:40:16 घंटे
घटी 07:00:43	जन्म समय(घटी)	49:56:06 घटी
India	देश	India
Mirzapur	स्थान	Mirzapur
उत्तर 25:09:00	अक्षांश	25:09:00 उत्तर
पूर्व 82:34:00	रेखांश	82:34:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:16	स्थानिक संस्कार	00:00:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:41:42	सूर्योदय	06:41:49
17:45:04	सूर्यास्त	17:45:37
23:44:14	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:29

मीन	लग्न	वृश्चिक
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
कन्या	राशि	मेष
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
चित्रा	नक्षत्र	अश्विनी
मंगल	नक्षत्र स्वामी	केतु
1	चरण	1
धृति	योग	साध्य
गर	करण	तैतिल
पे-पेशवा	जन्म नामाक्षर	चू-चुन्नी
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
व्याघ्र	योनि	अश्व
राक्षस	गण	देव
मध्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	सिंह
34	गत/तत्कालिक वर्ष	35

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
उ०भाद्रपद	4	14:59:35	मीन		
श्रवण	4	21:05:16	मक		
चित्रा	1	23:38:34	कन्या		
रोहिणी	1	10:09:38	वृष		
उत्तराषाढ़ा	3	03:35:41	मक		
पुष्य	4	14:01:51	कर्क	व	
शतभिषा	3	13:41:47	कुंभ		
उत्तराषाढ़ा	3	05:57:34	मक		अ
उत्तराषाढ़ा	3	04:10:24	मक	व	
पुष्य	1	04:10:24	कर्क	व	
पूर्वाषाढ़ा	2	17:57:19	धनु		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			वृश्चि	20:18:09	2	ज्येष्ठा
सूर्य			मक	21:05:17	4	श्रवण
चंद्र			मेष	02:00:48	1	अश्विनी
मंगल	व		मिथु	25:27:02	2	पुनर्वसु
बुध		अ	मक	17:01:21	3	श्रवण
गुरु	व		वृष	17:04:15	3	रोहिणी
शुक्र			मीन	05:27:30	1	उ०भाद्रपद
शनि			कुंभ	23:31:52	2	पू०भाद्रपद
राहु			मीन	03:58:50	1	उ०भाद्रपद
केतु			कन्या	03:58:50	3	उ०फाल्गुनी
मु		अ	मक	14:59:35	2	श्रवण

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:29

लग्न-चलित

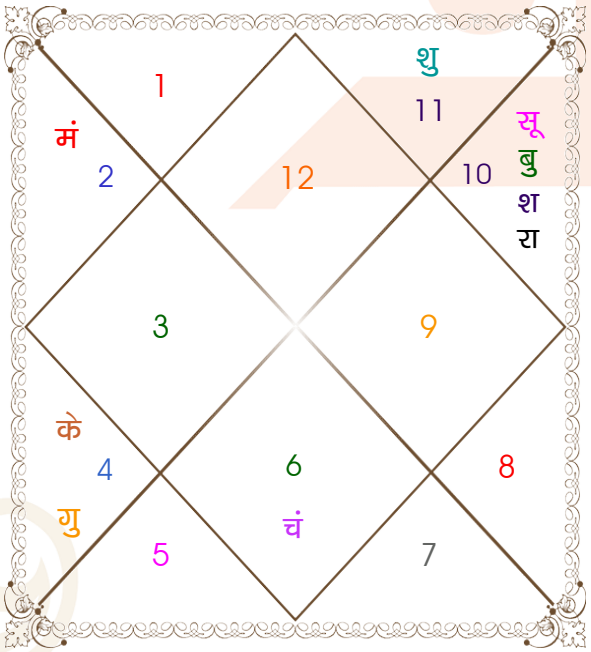

वर्ष लग्न कुंडली

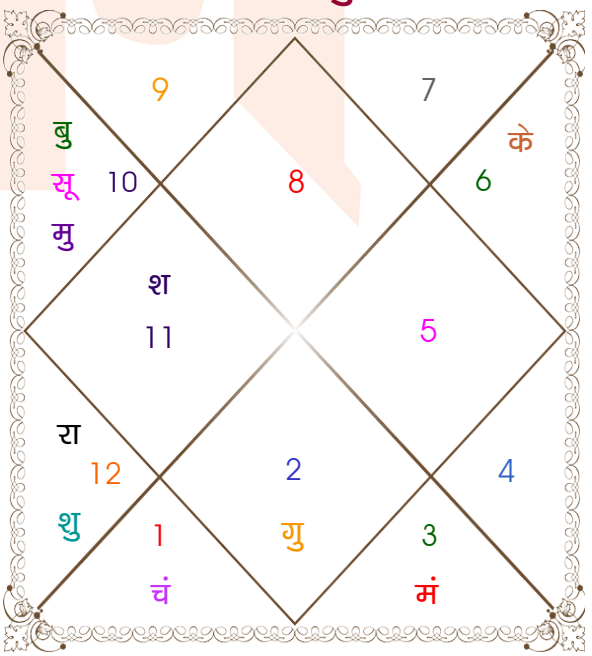

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शुक्र - बुध	
06/12/2025 19:47	
23/04/2026 19:23	
बुध	26/12/2025 08:56
केतु	03/01/2026 10:06
शुक्र	26/01/2026 10:02
सूर्य	02/02/2026 07:37
चंद्र	13/02/2026 19:35
मंगल	21/02/2026 20:46
राहु	14/03/2026 13:30
गुरु	01/04/2026 23:03
शनि	23/04/2026 19:23

गुरु - शुक्र - केतु	
23/04/2026 19:23	
19/06/2026 14:59	
केतु	27/04/2026 02:56
शुक्र	06/05/2026 14:12
सूर्य	09/05/2026 10:22
चंद्र	14/05/2026 04:00
मंगल	17/05/2026 11:33
राहु	26/05/2026 00:05
गुरु	02/06/2026 13:54
शनि	11/06/2026 13:48
बुध	19/06/2026 14:59

गुरु - सूर्य - सूर्य	
19/06/2026 14:59	
04/07/2026 05:37	
सूर्य	20/06/2026 08:31
चंद्र	21/06/2026 13:44
मंगल	22/06/2026 10:11
राहु	24/06/2026 14:47
गुरु	26/06/2026 13:32
शनि	28/06/2026 21:03
बुध	30/06/2026 22:44
केतु	01/07/2026 19:11
शुक्र	04/07/2026 05:37

गुरु - सूर्य - चंद्र	
04/07/2026 05:37	
28/07/2026 14:01	
चंद्र	06/07/2026 06:19
मंगल	07/07/2026 16:25
राहु	11/07/2026 08:04
गुरु	14/07/2026 14:00
शनि	18/07/2026 10:31
बुध	21/07/2026 21:19
केतु	23/07/2026 07:24
शुक्र	27/07/2026 08:48
सूर्य	28/07/2026 14:01

गुरु - सूर्य - मंगल	
28/07/2026 14:01	
14/08/2026 15:06	
मंगल	29/07/2026 13:53
राहु	01/08/2026 03:15
गुरु	03/08/2026 09:48
शनि	06/08/2026 02:34
बुध	08/08/2026 12:31
केतु	09/08/2026 12:23
शुक्र	12/08/2026 08:34
सूर्य	13/08/2026 05:01
चंद्र	14/08/2026 15:06

गुरु - सूर्य - राहु	
14/08/2026 15:06	
27/09/2026 11:01	
राहु	21/08/2026 04:53
गुरु	27/08/2026 01:09
शनि	02/09/2026 23:42
बुध	09/09/2026 04:43
केतु	11/09/2026 18:05
शुक्र	19/09/2026 01:24
सूर्य	21/09/2026 06:00
चंद्र	24/09/2026 21:40
मंगल	27/09/2026 11:01

गुरु - सूर्य - गुरु	
27/09/2026 11:01	
05/11/2026 10:04	
गुरु	02/10/2026 15:42
शनि	08/10/2026 19:45
बुध	14/10/2026 08:12
केतु	16/10/2026 14:45
शुक्र	23/10/2026 02:35
सूर्य	25/10/2026 01:21
चंद्र	28/10/2026 07:16
मंगल	30/10/2026 13:48
राहु	05/11/2026 10:04

गुरु - सूर्य - शनि	
05/11/2026 10:04	
21/12/2026 16:25	
शनि	12/11/2026 17:52
बुध	19/11/2026 07:10
केतु	21/11/2026 23:57
शुक्र	29/11/2026 17:00
सूर्य	02/12/2026 00:31
चंद्र	05/12/2026 21:03
मंगल	08/12/2026 13:49
राहु	15/12/2026 12:23
गुरु	21/12/2026 16:25

गुरु - सूर्य - बुध	
21/12/2026 16:25	
01/02/2027 01:54	
बुध	27/12/2026 13:10
केतु	29/12/2026 23:07
शुक्र	05/01/2027 20:42
सूर्य	07/01/2027 22:22
चंद्र	11/01/2027 09:10
मंगल	13/01/2027 19:07
राहु	20/01/2027 00:08
गुरु	25/01/2027 12:36
शनि	01/02/2027 01:54

गुरु - सूर्य - केतु	
01/02/2027 01:54	
18/02/2027 02:59	
केतु	02/02/2027 01:46
शुक्र	04/02/2027 21:57
सूर्य	05/02/2027 18:24
चंद्र	07/02/2027 04:29
मंगल	08/02/2027 04:21
राहु	10/02/2027 17:43
गुरु	13/02/2027 00:16
शनि	15/02/2027 17:02
बुध	18/02/2027 02:59

गुरु - सूर्य - शुक्र	
18/02/2027 02:59	
07/04/2027 19:47	
शुक्र	26/02/2027 05:47
सूर्य	28/02/2027 16:13
चंद्र	04/03/2027 17:37
मंगल	07/03/2027 13:48
राहु	14/03/2027 21:07
गुरु	21/03/2027 08:58
शनि	29/03/2027 02:01
बुध	04/04/2027 23:36
केतु	07/04/2027 19:47

गुरु - चंद्र - चंद्र	
07/04/2027 19:47	
18/05/2027 09:47	
चंद्र	11/04/2027 04:57
मंगल	13/04/2027 13:46
राहु	19/04/2027 15:52
गुरु	25/04/2027 01:44
शनि	01/05/2027 11:57
बुध	07/05/2027 05:56
केतु	09/05/2027 14:45
शुक्र	16/05/2027 09:05
सूर्य	18/05/2027 09:47

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रूचि रहेगी । इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से इस समय आप स्वस्थ रहेंगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभाव तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी जिससे सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। धार्मिक एवं परोपकार संबधी कार्यो में भी इस समय आपके मन में रूचि उत्पन्न होगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य धार्मिक कार्य को सम्पन्न करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धा रखेंगी तथा नियमपूर्वक इनकी सेवा तथा पूजा करेंगी ।इसके साथ ही अन्य जनों की भलाई के लिए कार्य करेंगी तथा अन्यत्र भी अपनी ओर से यथा शक्ति आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से इच्छित सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगी।

इस वर्ष में बन्धुवर्ग, मित्र एवं संबधियों से आप पूर्ण सुख सहयोग एवं सम्मान अर्जित करने में समर्थ रहेंगी तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक महत्व के लोगों से भी आप इच्छित सहयोग एवं लाभ अर्जित करेंगी तथा ये सभी आपसे सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी मानसिक संकल्प पूर्ण होंगे तथा विगत रूके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य भी सिद्ध होंगे जिससे आपके हृदय में शान्ति तथा प्रसन्नता विद्यमान रहेगी। इसके अतिरिक्त किसी धार्मिक पूजन या कोई तीर्थयात्रा करने में भी आप की रूचि उत्पन्न होगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं प्रसन्नता पूर्ण होगा।